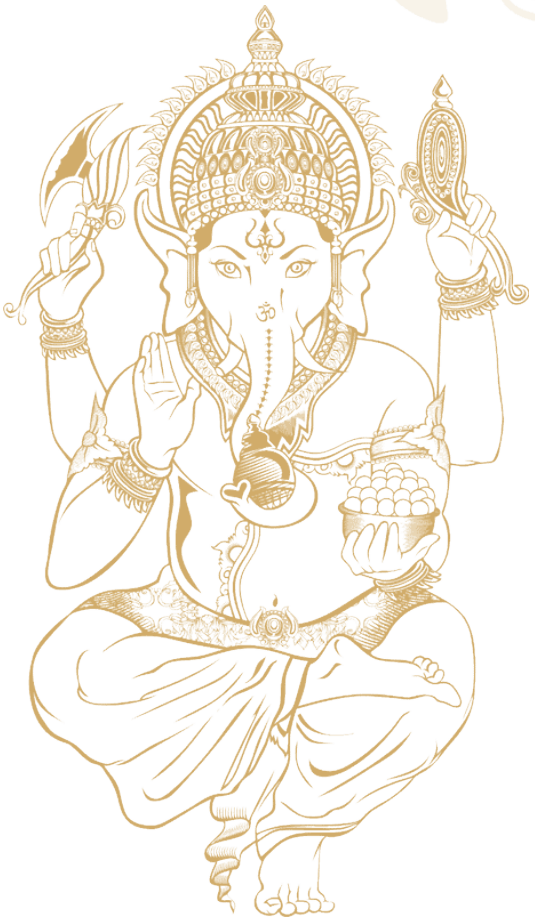

A

03 May 1991

02:55 PM

Firozabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121704406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/05/1991**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:55:00 घंटे**
इष्ट	23:14:56 घटी
स्थान	**Firozabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:38:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:04 घंटे
साम्पातिक काल	05:21:43 घंटे
सूर्योदय	05:37:01 घंटे
सूर्यास्त	18:50:07 घंटे
दिनमान	13:13:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:42:53 मेष
लग्न के अंश	27:44:09 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:44:09	321:18:20	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मेष	18:42:53	00:58:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			धनु	08:58:15	11:48:20	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			मिथु	22:56:31	00:33:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध			मीन	25:14:09	00:23:26	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			कर्क	11:32:23	00:05:53	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृष	29:51:46	01:08:08	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			मक	12:56:49	00:01:21	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	27:29:46	00:02:43	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	27:29:46	00:02:43	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	19:58:56	00:00:44	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:58:08	00:00:28	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	25:26:21	00:01:40	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			वृष	27:28:16	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:24

लग्न-चलित

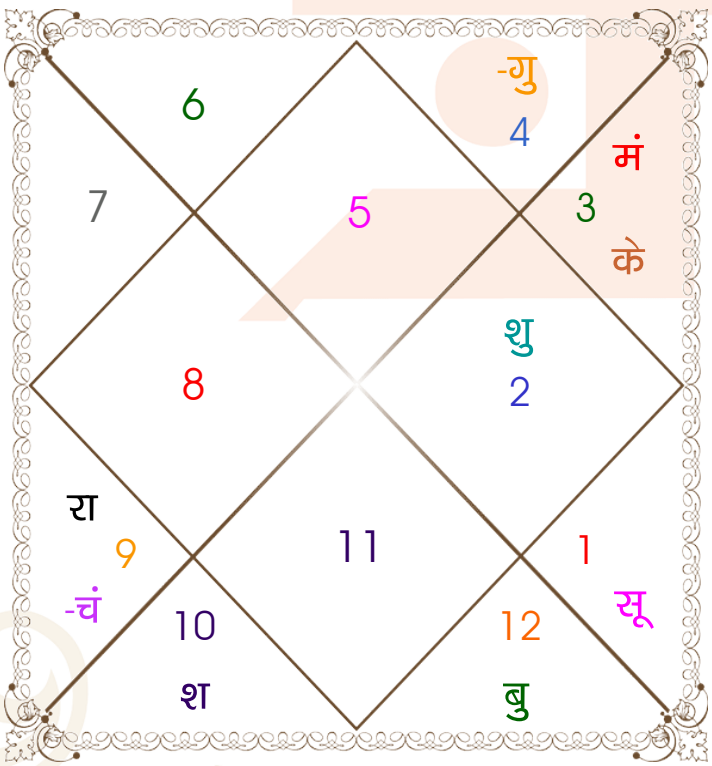

चन्द्र कुंडली

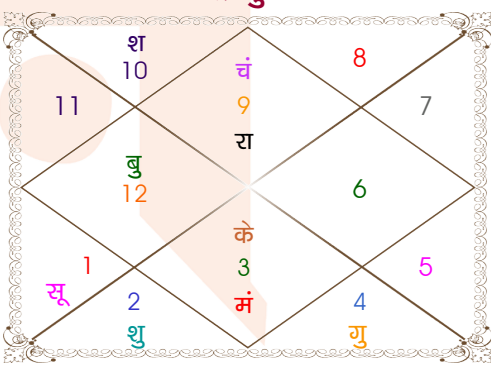

नवमांश कुंडली

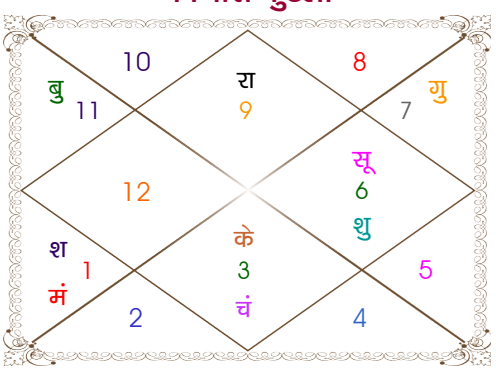

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 3 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/05/1991		17/08/1993		17/08/2013		17/08/2019		17/08/2029	
17/08/1993		17/08/2013		17/08/2019		17/08/2029		16/08/2036	
	00/00/0000	शुक्र	16/12/1996	सूर्य	04/12/2013	चंद्र	17/06/2020	मंगल	13/01/2030
	00/00/0000	सूर्य	16/12/1997	चंद्र	05/06/2014	मंगल	16/01/2021	राहु	31/01/2031
	00/00/0000	चंद्र	17/08/1999	मंगल	11/10/2014	राहु	17/07/2022	गुरु	07/01/2032
	00/00/0000	मंगल	16/10/2000	राहु	04/09/2015	गुरु	16/11/2023	शनि	15/02/2033
	00/00/0000	राहु	17/10/2003	गुरु	23/06/2016	शनि	17/06/2025	बुध	12/02/2034
	03/05/1991	गुरु	17/06/2006	शनि	05/06/2017	बुध	16/11/2026	केतु	11/07/2034
गुरु	12/07/1991	शनि	17/08/2009	बुध	11/04/2018	केतु	17/06/2027	शुक्र	11/09/2035
शनि	19/08/1992	बुध	17/06/2012	केतु	17/08/2018	शुक्र	15/02/2029	सूर्य	16/01/2036
बुध	17/08/1993	केतु	17/08/2013	शुक्र	17/08/2019	सूर्य	17/08/2029	चंद्र	16/08/2036

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/08/2036		17/08/2054		17/08/2070		17/08/2089		18/08/2106	
17/08/2054		17/08/2070		17/08/2089		18/08/2106		00/00/0000	
राहु	30/04/2039	गुरु	04/10/2056	शनि	20/08/2073	बुध	13/01/2092	केतु	14/01/2107
गुरु	22/09/2041	शनि	17/04/2059	बुध	29/04/2076	केतु	10/01/2093	शुक्र	15/03/2108
शनि	29/07/2044	बुध	23/07/2061	केतु	08/06/2077	शुक्र	10/11/2095	सूर्य	21/07/2108
बुध	16/02/2047	केतु	29/06/2062	शुक्र	07/08/2080	सूर्य	16/09/2096	चंद्र	19/02/2109
केतु	05/03/2048	शुक्र	27/02/2065	सूर्य	20/07/2081	चंद्र	15/02/2098	मंगल	18/07/2109
शुक्र	06/03/2051	सूर्य	16/12/2065	चंद्र	19/02/2083	मंगल	13/02/2099	राहु	06/08/2110
सूर्य	29/01/2052	चंद्र	17/04/2067	मंगल	29/03/2084	राहु	02/09/2101	गुरु	04/05/2111
चंद्र	29/07/2053	मंगल	23/03/2068	राहु	03/02/2087	गुरु	09/12/2103		00/00/0000
मंगल	17/08/2054	राहु	17/08/2070	गुरु	17/08/2089	शनि	18/08/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 3 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।